नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 342
दि. 15.04.2026,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नोएडा प्रोटेस्टः नोएडा हिंसा का 'पाकिस्तानी कनेक्शन'? बाहरी तत्वों ने रची साजिश, 7 पर एफआईआर, 300 उपद्रवी गिरफ्तार

(जीएनएस)।

गौतमबुद्ध नगर में सोमवार को श्रमिकों के आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं पर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस जांच में यह सामने आया है कि इस हिंसा और आगजनी के पीछे स्थानीय श्रमिकों के बजाय 'बाहरी तत्वों' का हाथ था। आइए जानतें हैं पुलिस प्रशासन ने इस मामले में क्या अपडेट दिया है।

पुलिस प्रशासन के अनुसार, जब श्रमिक शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन स्थल से हट रहे थे, तभी सीमावर्ती इलाकों से आए कुछ असामाजिक तत्वों ने माहौल खराब करने और हिंसा फैलाने का प्रयास किया। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने सोमवार रात स्पष्ट किया कि 'बाहरी तत्वों' की पहचान कर ली गई है। उन्होंने बताया कि इस समूह के कुछ सदस्यों को हिरासत में लिया गया है और अन्य उपद्रवियों की तलाश जारी है।

हिंसा की गंभीरता को देखते हुए पूरे कमिश्नरेट के विभिन्न थानों में अब तक सात मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सोमवार को जिले में 80 से अधिक स्थानों पर करीब 40 से 45 हजार श्रमिक जुटे थे। सेक्टर-63 और मदरसेन कंपनी के पास स्थिति अधिक तनावपूर्ण हो गई थी, जहां उपद्रवियों ने आगजनी की।

क्या है सरकार का फैसला और वर्तमान स्थिति?

इस तनाव के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के हित में बड़ा फैसला लेते हुए उनकी मजदूरी में 21 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। प्रशासन ने जानकारी दी है कि श्रमिकों की पांच में से चार मांगों को स्वीकार कर लिया गया है और शेष मुद्दों के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है।

पुलिस का कहना है कि वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। जोनल पुलिस और अग्निशमन विभाग की मुस्तैदी से आगजनी पर काबू पाया गया और न्यूनतम बल प्रयोग कर शांति व्यवस्था बहाल की गई। पुलिस ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

शहर में कई जगहों पर आगजनी और पथराव की घटनाओं की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी और अब तक 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हिंसा के पीछे पाकिस्तानी लिंक

एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने इस पूरे घटनाक्रम को एक 'नियोजित साजिश' करार दिया है। उन्होंने आशंका जताई है कि इस अशांति के पीछे पाकिस्तानी हैंडलर्स का हाथ हो सकता है। मंत्री ने कहा कि हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए संदिग्ध आतंकवादियों के तार पाकिस्तान से जुड़े थे, ऐसे में राज्य की स्थिरता को भंग करने के लिए इस प्रदर्शन का सहारा लिया गया हो सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह अशांति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुजफ्फरनगर कार्यक्रम में खलल डालने की कोशिश हो सकती है।

क्यों भड़का श्रमिकों का गुस्सा?

श्रमिकों के इस गुस्से की मुख्य वजह पड़ोसी राज्य हरियाणा द्वारा न्यूनतम वेतन में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी करना है। नोएडा के श्रमिकों का कहना है कि वे 12-12 घंटे काम करने के बावजूद केवल 11,000 से 15,000 रुपये कमा पा रहे हैं, जिससे घर चलाना मुश्किल है। उनकी मांग है कि वेतन कम से कम 20,000 से 25,000 रुपये किया जाए। हालांकि, यूपी सरकार का कहना है कि उन्होंने 1 अप्रैल को ही दरें संशोधित की हैं, जिसके तहत अकुशल श्रमिकों के लिए 13,690 रुपये तय किए गए हैं।

राजनीतिक घमासान और सरकार का आश्वासन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने उद्यमियों को भी कर्मचारियों के साथ संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नीतियां केवल उद्योगपतियों के पक्ष में हैं, जिसके कारण श्रमिकों की अनदेखी हो रही है और वे सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

नोएडा क्लैशः हंगामे के बाद देर रात तक चली बैठक, सैलरी हाइक-वीक ऑफ पर अड़े कर्मचारी, क्या निकलेगा समाधान?

(जीएनएस)।

नोएडा के फेज-2 में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुई हिंसक झड़प के बाद उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित हाई-लेवल कमेटी ने सोमवार देर रात ग्रेटर नोएडा में श्रमिक प्रतिनिधियों और विभिन्न हितधारकों के साथ मैराथन बैठक की।

इस बैठक में कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया कि वे अब केवल आश्वासनों से पीछे नहीं हटेंगे। उनकी मांगें अब वेतन वृद्धि, साप्ताहिक अवकाश और सम्मानजनक कार्य स्थितियों पर टिकी हैं।

14 अप्रैल को नोएडा के फेज 2 में प्रदर्शनकारी फिर से जमा हो गए और उन्होंने पत्थरबाजी की। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि सरकार इन मांगों पर क्या फैसला लेती है।

क्या हैं कर्मचारियों की मुख्य मांगें?

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि मौजूदा समय में उन्हें ₹10,000 से ₹15,000 तक ही वेतन मिल रहा है, जो बढ़ती महंगाई के हिसाब से बेहद कम है। उनकी मांग है कि न्यूनतम वेतन को बढ़ाकर ₹18,000 से ₹20,000 किया जाए। इसके अलावा कर्मचारियों ने हर हफ्ते एक दिन की छुट्टी (वीकली ऑफ), ओवरटाइम का डबल भुगतान और कार्यस्थल पर बेहतर व्यवहार जैसी मांगें भी उठाई हैं। कर्मचारियों का कहना है कि यह सिर्फ वेतन का मुद्दा नहीं, बल्कि सम्मान और बेहतर कामकाजी माहौल का भी सवाल है।

हिंसक झड़प के बाद एक्शन मोड में सरकार, बनाई हाई-लेवल कमेटी

स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बनाई गई है, जिसका उद्देश्य मजदूरों की समस्याओं को समझकर समाधान निकालना है। इस कमेटी की अध्यक्षता इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कमिश्नर कर रहे हैं, जबकि इसमें MSME विभाग के अपर मुख्य सचिव, श्रम एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव और श्रम आयुक्त समेत कई अधिकारी शामिल हैं। साथ ही श्रमिक संगठनों और इंडस्ट्री बॉडी के प्रतिनिधियों को भी इसमें जगह दी गई है।

मजदूरों ने उठाए और भी अहम मुद्दे

बैठक के दौरान मजदूरों ने सिर्फ वेतन ही नहीं, बल्कि नौकरी की सुरक्षा, श्रम कानूनों के सही तरीके से पालन और सुरक्षित कार्यस्थल की जरूरत पर भी जोर दिया।

तमिलनाडु के लिए बीजेपी का घोषणापत्र जारी, महिलाओं को हर महीने ₹2000, तीन फ्री गैस सिलेंडर और ब्याज-मुक्त लोन

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र (संकल्प पत्र) जारी कर दिया है। मंगलवार को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई की उपस्थिति में इसे लॉन्च किया गया। इस घोषणापत्र में राज्य के विकास के लिए '3C' (करप्शन, कलेक्शन और कमीशन) को खत्म करने का वादा किया गया है।

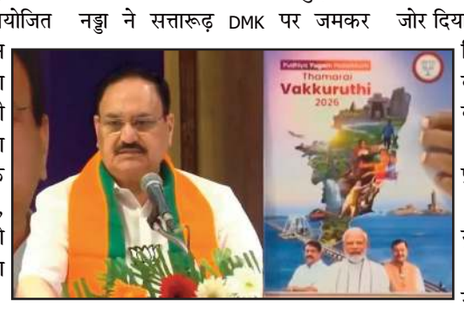

पार्टी ने मुख्य रूप से महिलाओं, किसानों, युवाओं और मछुआरों को ध्यान में रखते हुए कई लोक-लुभावन और बुनियादी सुधारों के वादे किए हैं। आइए जानतें हैं घोषणापत्र की मुख्य बातें क्या हैं:

DMK सरकार पर तीखा हमला और सुशासन का वादा

घोषणापत्र जारी करते हुए जेपी नड्डा ने सत्तारूढ़ DMK पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो कभी दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं का पालना और देश की सांस्कृतिक राजधानी हुआ करता था, उसे DMK ने 'क्राइम कैपिटल' में बदल दिया है। नड्डा ने स्टालिन सरकार को परिवारवाद की सरकार बताते हुए कहा कि यह पार्टी भ्रष्टाचार के संरक्षकों की टोली बन गई है। उन्होंने जोर दिया कि BJP का उद्देश्य राज्य को विकास की मुख्यधारा में वापस लाना और कानून व्यवस्था को दुरुस्त करना है।

इखढ घोषणापत्र की प्रमुख घोषणाएं

महिला सशक्तिकरण और सुरक्षाः

परिवार की महिला मुखियाओं के लिए 2,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता।

प्रत्येक घर के लिए 10,000 रुपये की बिना शर्त आर्थिक मदद

प्रमुख त्योहारों के दौरान सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर।

'ईरान नहीं बनेगा न्यूक्लियर पावर' ट्रंप के बयान से बढ़ा तनाव, मिडिल ईस्ट जंग पर असर

दुनिया के सबसे अशांत क्षेत्र मिडिल ईस्ट में बारूद की गंध और तेज हो गई है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव अब उस मुकाम पर पहुंच गया है जहां से वापसी का रास्ता नजर नहीं आ रहा।

व्हाइट हाउस ने आज एक बेहद सख्त और क्रुशियल संदेश जारी करते हुए दुनिया को स्पष्ट कर दिया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की निगरानी में ईरान कभी भी परमाणु शक्ति संपन्न देश नहीं बन पाएगा। व्हाइट हाउस के आधिकारिक बयान और राष्ट्रपति ट्रंप के ताजा तीखे हमलों ने यह साफ कर दिया है कि खाड़ी देशों में छिड़ी यह जंग थमने का नाम नहीं ले रही है।

लखनऊ में आदर्श माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटनः सीएम योगी ने बच्चों को दिया सफलता का मंत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के जन भवन परिसर में 5.17 करोड़ रुपये की लागत से बने आदर्श माध्यमिक विद्यालय का उद्घाटन कि ...और पढ़ें

लखनऊ में 5.17 करोड़ का आदर्श माध्यमिक विद्यालय उद्घाटित।

सीएम योगी ने बच्चों को परिश्रम से सफलता का मंत्र दिया।

विद्यालय में स्मार्ट क्लास, अक लैब जैसी आधुनिक सुविधाएँ।

लखनऊ। (जीएनएस)। जन भवन परिसर में शिक्षा के क्षेत्र में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया, जब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां 5.17 करोड़ रुपये की लागत से बने आदर्श माध्यमिक विद्यालय के आधुनिक भवन का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के लिए आदर्श शिक्षा माडल बताते हुए बच्चों को सफलता का मंत्र दिया कि परिश्रम ही लक्ष्य तक पहुंचने का एकमात्र रास्ता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसा माडल प्रस्तुत किया है, जिससे बेसिक और माध्यमिक शिक्षा परिषद को प्रेरणा लेनी चाहिए। संस्कृत श्लोक के माध्यम से समझाया कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, बल्कि सही मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

वैद्य जीवक की कथा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि जैसे हर वनस्पति में औषधीय गुण होते हैं, वैसे ही हर व्यक्ति में प्रतिभा होती है, जरूरत उसे पहचानने और निखारने की है। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध स्मार्ट क्लास, एआइ व रोबोटिक्स लैब, वाई-फाई युक्त कंप्यूटर लैब, स्पेस लैब, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय और खेल सुविधाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी स्कूल भी कान्वेंट व पब्लिक स्कूलों की तरह प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं।

विद्यालय भवन के निर्माण में 4.70 करोड़ रुपये राज्य सरकार ने दिए, जबकि शेष धनराशि राज्यपाल के प्रयासों से सीएसआर फंड से जुटाई गई। कार्यक्रम में 'हमारा जनभवन' पुस्तक का विमोचन किया गया और नई स्कूल बस की चाबी प्रधानाचार्य व चालक को सौंपी गई।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बताया कि पहले प्राथमिक विद्यालय में बच्चों की संख्या बहुत कम थी, लेकिन अब आधुनिक सुविधाओं के साथ यह संख्या बढ़कर 450 हो गई है। भविष्य में यहां 1000 बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निश्शुल्क शिक्षा दी जाएगी।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी और बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। भवन के उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के साथ विद्यालय का निरीक्षण कर कंप्यूटर लैब, अटल बिहारी वाजपेयी पुस्तकालय और सुनीता विलियम्स स्पेस लैब को देखा। बच्चों द्वारा प्रस्तुत माडलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को प्रभावित किया।

शिवराज सिंह चौहान ने किया ऐलान, सम्राट चौधरी बने विधायक दल के नेता, 15 अप्रैल को लेंगे शपथ

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक अध्याय की शुरूआत हुई है, जहां भारतीय जनता पार्टी ने राज्य की कमान अपने हाथों में लेने की दिशा में निर्णायक कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और राज्यसभा जाने के फैसले के बाद, पटना में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भाजपा विधानमंडल दल का नया नेता चुन लिया गया है।

केंद्रीय पर्यवेक्षक और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस महत्वपूर्ण निर्णय की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि अब सम्राट चौधरी ही बिहार विधानमंडल में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। यह घटनाक्रम इसलिए भी खास है क्योंकि बिहार में पहली बार भाजपा अपने नेतृत्व में सरकार बनाने की ओर अग्रसर है, जिससे राज्य के राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने दी आधिकारिक मंजूरी

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को पटना पहुंचे। प्रदेश कार्यालय में आयोजित हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद उन्होंने सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगाई। शिवराज सिंह ने कहा, "भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखती है और विधायकों की राय के बाद सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से नेता चुना गया है। उनके नेतृत्व में बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।" सम्राट चौधरी 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

विधायक दल का नेता बनने पर सम्राट चौधरी का पहला रिएक्शन

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सम्राट चौधरी का पहला रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, "भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा मुझ पर विश्वास जताते हुए भाजपा बिहार विधानमंडल दल के नेता का दायित्व सौंपने पर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि बिहार की जनता की सेवा, उनके विश्वास और सपनों को साकार करने का एक पवित्र अवसर है। मैं पूर्ण निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेता हूं।"

उन्होंने आगे लिखा, "देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व एवं माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन जी के मार्गदर्शन में बिहार को विकास, सुशासन और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को दहलाने की साजिश; अलकायदा से जुड़े 3 आतंकियों को उम्रकैद, एनआईए कोर्ट का फैसला

(जीएनएस)।

लखनऊ की एनआईए कोर्ट ने अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इनके खिलाफ देश क खिलाफ युद्ध छेड़ने और प्रदेश में धमाका करने के आरोप हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की एनआईए कोर्ट ने अलकायदा से जुड़े तीन आतंकियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और यूपी में धमाके लिए हथियार-विस्फोटक जुटाने की साजिश रचने का आरोप अलकायदा के सहयोगी संगठन अंसार गजवातुल हिंद के इन आतंकियों पर लगा था। इन आतंकियों ने लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को दहलाने की साजिश रची थी। इस मामले में आतंकी मुशीरुद्दीन, मिनहाज और तौहीद को एनआईए कोर्ट ने उम्रकैद की समा सुनाई। विशेष जज जैनेंद्र पांडेय की ओर से सजा का ऐलान किया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने मिनहाज एवं मुशीरुद्दीन पर 1.42 लाख और तौहीद पर 85 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। आरोपियों के खिलाफ सभी सजा एक साथ चलेंगी।

लखनऊ एनआईए कोर्ट ने अपने आदेश में साफ किया है कि अलकायदा से जुड़े आंतकियों की जेल में बिताई सजा अवधि समायोजित की जाएगी। मामले में एनआईए की ओर से कोर्ट में 42 गवाहों, 149 दस्तावेज और 109 वस्तुएं कोर्ट पेश की गई। आरोपियों को कोर्ट में सजा सुनाए जाने के बाद पुलिस ने उन्हें जेल भेज दिया। मुसीरुद्दीन सीतापुर रोड स्थित फातिमा नगर मोहिबुल्लापुर, मिनहाज अदनानपल्ली रिंग रोड दुबग्गा और तौहीद अहमद उर्फ सोबू कश्मीर का है।

जुलाई 2021 में थी योजना

अलकायदा समर्थित अंसार गजवातुल हिंद संगठन की ओर से यूपी में बम धमाकों की योजना बनाई गई। जुलाई 2021 में लखनऊ, कानपुर और अयोध्या को बम धमाके की साजिश रची गई थी। आतंकी संगठन का कमांडर मिनहाज अहमद ने इसकी प्लानिंग की थी। विस्फोट कुकर और फ्रूट बम के जरिए किया जाना था। तीनों आतंकी पाकिस्तान में बैठे अपने आका के आदेश पर साजिश रच रहे थे। हालांकि, यूपी एटीएस ने उनके मंसूबे पूरे होने से पहले ही तीनों को धर दबोचा। यूपी एटीएस ने सबसे पहले 11 जुलाई 2021 को काकोरी में रिंग रोड अदनानपल्ली स्थित मकान से मिनहाज अहमद को दबोचा।

यूपी एटीएस ने इसके बाद मोहिबुल्लापुर में विस्फोटक बनाने के एक्सपर्ट मुसीरुद्दीन उर्फ मुसीर उर्फ राजू और बुद्धा पार्क के पास से शकील को धर दबोचा। तीनों के घरों से भारी मात्रा में बारूद, विस्फोटक बनाने के उपकरण, मोबाइल, तीनों शहरों की प्रमुख इमारतों के मैप और रूट प्लान आदि अन्य वस्तुएं बरामद हुए थे।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊ में एलडीए की चार आवासीय योजनाओं का बदलेगा स्वरूप, जर्जर भवनों की जगह लेंगे हाईटेक अपार्टमेंट

लखनऊ में दशकों पुरानी आवासीय योजनाओं का स्वरूप बदलेगा।

एलडीए वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी और कानपुर रोड योजना के सेक्टर-जी में मल्टीस्टोरी भवनों की तैयारी

दशकों पुरानी आवासीय योजनाओं का लखनऊ में होगा पुनर्विकास।

वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी में बनेंगे मल्टीस्टोरी भवन।

पुराने आवंटियों को आधुनिक सुविधाओं वाले फ्लैट मिलेंगे।

लखनऊ। (जीएनएस)। राजधानी में दशकों पहले विकसित आवासीय योजनाओं का अब स्वरूप बदलने जा रहा है। प्रथम चरण में वजीर हसन रोड, पेपर मिल कॉलोनी व कानपुर रोड योजना, सेक्टर-जी में मल्टीस्टोरी भवनों को री-डेवलप करने का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

इन कॉलोनियों में अभी सीमित सुविधाओं के बीच जी प्लस थ्री स्ट्रक्चर के ही भवन हैं, वहां अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस गगनचुंबी इमारतें बनेंगी। एलडीए ने अपनी पुरानी आवासीय योजनाओं के पुनर्विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं।

शासन ने हाल में उत्तर प्रदेश शहरी पुनर्विकास नीति-2026 लागू

की है, जिसमें शहरी क्षेत्र में री-डेवलमेंट से विकास व सुविधाओं को उच्चीकृत करने पर जोर दिया गया है।

1988 में प्राधिकरण ने मल्टीस्टोरी भवनों का कराया था निर्माण

इस संबंध में एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया, हजरतगंज में वजीर हसन रोड पर वर्ष 1988 में प्राधिकरण ने मल्टीस्टोरी भवनों का निर्माण कराया था।

योजना में जी प्लस थ्री स्ट्रक्चर के चार टावर हैं, जिनमें कुल 64 फ्लैट्स हैं। योजना का प्रारंभिक सर्वे कराया गया, जिसमें 60 फ्लैटों की रजिस्ट्री हो चुकी है। तीन फ्लैटों की रजिस्ट्री आवंटियों के स्तर से लंबित है, जबकि एक फ्लैट अभी आवंटित नहीं हुआ है।

वहीं, कानपुर रोड योजना के सेक्टर-जी में वर्ष 1990 में एक हजार डबल स्टोरी भवन निर्मित किए गए थे। इनमें से अधिकतर भवनों में अवैध ढंग से लोग रह रहे हैं।

उपाध्यक्ष ने बताया, इस योजना के पुनर्विकास का भी प्रस्ताव तैयार कराया जाएगा। वहीं, पेपर मिल कालोनी में स्थित पुराने भवनों का सर्वे व परीक्षण कराने के बाद प्रस्ताव तैयार कराएंगे।

यह भी पढ़ें- मुख्यमंत्री योगी ने किया पीएम मोदी का स्वागत, दिल्ली-देहरादून कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित

मिलेंगी सुविधाएं, आवंटी भी होंगे समायोजित

चार दशक पहले बने इन भवनों की स्थिति जर्जर हो चुकी है। योजना में नियोजित पार्क व पार्किंग क्षेत्र में कब्जे हैं। कई फ्लैटों में मूल आवंटी के स्थान पर अनाधिकृत लोग काबिज हैं, जबकि यह योजना प्राइम लोकेशन पर है।

री-डेवलपमेंट नीति के तहत यहां बहुमंजिला अपार्टमेंट बनने से लोगों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही पुराने आवंटियों को पुनर्विकसित भवनों में समायोजित किया जाएगा।

दुल्हन कल्पना ने सुहागरात से पहले की ऐसी डिमांड, सन्न रह गया दूल्हा, इनकार पर जिंदा जलाने की कोशिश

आगरा, (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में एक नई-नवेली दुल्हन की मांग ने पूरे परिवार को स्तब्ध कर दिया। शादी की पहली रात सुहागरात से पहले दुल्हन कल्पना ने पति से 90 लाख रुपये की डिमांड कर दी। कहा कि पैसे मिल जाएंगे तो ही घूंघट उठाऊंगी। जब पति और परिवार ने मना कर दिया, तो कल्पना ने न सिर्फ ससुराल छोड़ दिया, बल्कि शादी के गहने और सास की ज्वेलरी भी साथ ले गई। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई।

दो महीने बाद कल्पना और उसके भाई-भतीजे 25 मार्च 2026 को ससुराल पहुंचे। मुख्य गेट पर ताला लगा दिया, परिवार को गालियां दीं और फिर ढठक्रगैस की पाइपलाइन में छेड़छाड़ कर जिंदा जलाने की कोशिश की। दूल्हे परिवार ने किसी तरह 112 डायल कर अपनी जान बचाई। आरोपी मौके से भाग निकले।

शादी कब और कैसे हुई?

29 अप्रैल 2025 को आगरा के सिकंदरा स्थित आवास विकास कॉलोनी (एचआईजी) में रहने वाले

गौरव की शादी सादाबाद की कल्पना से हुई थी। बिचौलिए के माध्यम से तय हुई शादी। गौरव की बहन मुस्कान सिंह के अनुसार, शादी एक साजिश के तौर पर कराई गई।

शादी वाली रात का हादसा

शादी की पहली रात कल्पना ने पति गौरव से साफ कहा कि 90 लाख दो, तभी शारीरिक संबंध बनाएंगे। जब गौरव ने पैसे देने से इनकार किया तो कल्पना ने अपने भाइयों को बुला लिया। उन्होंने गौरव को अपमानित किया। इसके बाद कल्पना ने ससुराल में दो महीने तक पति के साथ कोई शारीरिक संबंध नहीं बनाए। दो महीने बाद कल्पना मायके चली गई। जाते वक्त उसने शादी में मिले सारे गहने और सास की ज्वेलरी भी साथ ले ली।

लगातार धमकियां और वसूली

दूल्हे गौरव मुस्कान सिंह ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से ही कल्पना का परिवार व्हाट्सएप कॉल और मैसेज से धमकियां दे रहा था। 25 मार्च 2026 को कल्पना और उसके भाई घर पहुंचे। गेट पर ताला लगाया, गालियां दीं और गैस पाइपलाइन के साथ छेड़छानी की। मुस्कान ने कहा, 'वे हमें जिंदा जलाने वाले थे।'

90 लाख की डिमांड का सबूत

कल्पना के भाई ने मुस्कान सिंह के मोबाइल पर मैसेज भेजकर 90 लाख रुपये मांगे। साथ में अपना बैंक अकाउंट नंबर और क्यूआर कोड भी भेज दिया। मुस्कान सिंह ने थाना जगदीशपुरा में कल्पना समेत 5 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इनमें कल्पना, उसके दो भाई और शादी कराने वाला बिचौलिया शामिल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपी गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है। पुलिस जांच जारी है। पूरा मामला अब कोर्ट में जाएगा।

लखनऊ में अस्पताल की चौथी मंजिल से गिरकर महिला की मौत, 7 घंटे हंगामा के बाद अस्पताल पर हत्या की एफआईआर

लखनऊ के प्रसाद अस्पताल में भर्ती एक विवाहिता की चौथी मंजिल से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

परिवारजनों ने अस्पताल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाया।

अस्पताल चेयरमैन सहित स्टाफ पर हत्या का मुकदमा दर्ज।

लखनऊ। (जीएनएस)। लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित जुनाबगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई।

घटना के बाद परिवारजन ने अस्पताल प्रशासन पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सात घंटे के प्रदर्शन के बाद बंथरा पुलिस ने तहरीर के आधार पर अस्पताल के चेयरमैन समेत अन्य लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बंथरा के किशुनपुर कौड़िया निवासी अक्षत दीक्षित उर्फ सनी की पत्नी सीता का मानसिक संतुलन कुछ समय से ठीक नहीं था और उनका इलाज प्रसाद हास्पिटल में चल रहा था। रविवार को तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

परिवारजन के मुताबिक, रात में अक्षत भी अस्पताल में ही रुके थे,

लेकिन तड़के करीब चार बजे उन्हें नींद आ गई। इसी दौरान सीता वार्ड से निकल गईं। सुबह करीब छह बजे सीता अस्पताल की जनरल वार्ड के पास सीढ़ियों के निकट बेसुध हालत में पड़ी मिलीं।

उन्हें तत्काल भर्ती कर उपचार शुरू किया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने दावा किया कि सीता ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या की है, लेकिन परिवारजन इस पर सहमत नहीं हुए। पुलिस द्वारा खंगाले गए सीसी फुटेज में सीता सुबह चार बजे वार्ड से बाहर निकलती दिख रही हैं।

साथ ही, उनकी चप्पल नीचे गिरती नजर आ रही हैं, लेकिन उनके गिरने का दृश्य सामने नहीं आया। इसी आधार पर परिवारजन ने अस्पताल स्टाफ पर धक्का देकर हत्या करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि इतनी ऊंचाई से गिरने पर खून के निशान होने चाहिए थे, जबकि मौके पर ऐसा कुछ नहीं मिला।

यह भी पढ़ें- हरदोई में फरार गैंगस्टर एक्ट के आरोपी के 2.25 करोड़ के दो मंजिला मकान कुर्क, बिजली के तार चोरी की घटनाओं में है वांछित

परिजनों ने सात घंटे तक हंगामा किया

घटना के विरोध में परिवारजन ने अस्पताल परिसर में करीब सात घंटे तक हंगामा किया। बंथरा इंस्पेक्टर राणा राजेश सिंह ने मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिवारजन नहीं माने। बाद में एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा पहुंचे और कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

पुलिस ने मृतका के पति अक्षत की तहरीर पर अस्पताल के चेयरमैन भगवान प्रसाद यादव, प्रशासनिक स्टाफ, प्रधानाचार्य और रात्रि इंचार्ज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके बाद ही परिवारजन शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका।

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का राजफाश हो सकेगा। फिलहाल, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

'जीवन लंबा नहीं महान होना चाहिए',बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के 10 विचार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी श्रद्धांजलि

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने भारत के सामाजिक और संवैधानिक ढांचे में अंबेडकर के अतुलनीय योगदान को याद किया। सोशल मीडिया पर एक संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, 'डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।'

उन्होंने एक्स पर लिखा- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणापुंज बना रहेगा।

अयं निजः परो वेति गणना लघुचेतसाम्।

उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। राष्ट्र निर्माण की दिशा में उनके प्रयास अत्यंत प्रेरणादायी हैं। उनका जीवन और कार्य, एक न्यायपूर्ण और प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए पीढ़ियों को निरंतर प्रेरित करता रहेगा।

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है आंबेडकर जयंती

मालूम हो कि हर साल 14 अप्रैल को भारत के महान समाज सुधारक, संविधान निमार्ता और दलितों के मसीहा डॉ. भीमराव अंबेडकर की

जयंती के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता है। इस दिन को केवल एक जन्मदिन के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की लड़ाई के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ उठाई आवाज

डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष और प्रेरणा का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता को करीब से देखा और इसके खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने शिक्षा को सबसे बड़ा हथियार माना और समाज के कमजोर वर्गों को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए। यही कारण है कि अंबेडकर जयंती पर उनके विचारों और आदर्शों को याद किया जाता है।

अंबेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे

इस दिन का सबसे बड़ा महत्व यह है कि यह हमें भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों-समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व-की याद दिलाता है। डॉ. अंबेडकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे और उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि देश का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग से हो, उसे समान अधिकार मिले। इस दिन लोग संविधान के महत्व को समझते हैं और उसके पालन का संकल्प लेते हैं। उनके निम्नलिखित विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

प्रमुख विचार

शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।

मनुष्य महान अपने कर्मों से बनता है, न कि अपने जन्म से।

स्वतंत्रता का मतलब सिर्फ राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्वतंत्रता भी है।

मैं किसी समाज की प्रगति को महिलाओं की प्रगति से मापता हूं।

जीवन लंबा नहीं, महान होना चाहिए।

धर्म वह होना चाहिए जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे की शिक्षा दे।

संविधान केवल वकीलों का दस्तावेज नहीं, यह जीवन का एक माध्यम है।

अगर मुझे लगे कि संविधान का दुरुपयोग हो रहा है, तो मैं सबसे पहले उसे जलाऊंगा।

ज्ञान ही मनुष्य के जीवन का आधार है।

समानता एक कल्पना हो सकती है, लेकिन इसे एक सिद्धांत के रूप में स्वीकार करना जरूरी है।

लखनऊ में महिला टप्पेबाजों का गैंग पकड़ा, बड़ी होशियारी से वारदात करती थीं; तरकीब जान पुलिस भी हैरान

लखनऊ , (जीएनएस)। लखनऊ में महिला टप्पेबाज गैंग का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया। आरोपी ऑटो व ई-रिक्शा में यात्रियों को उलझाकर जेवर चोरी करते थे। सीसीटीवी जांच और पुलिस की रेकी से तीन घटनाओं का खुलासा हुआ और चोरी का सामान बरामद किया गया।

ऑटो, टेंपो और ई रिक्शा यात्रियों को उलझाकर जेवर चोरी व टप्पेबाजी करने वाले महिला गैंग का खुलासा करते हुए कृष्णानगर पुलिस ने तीन महिलाओं और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी की गई सोने की चेन, एक अंगूठी और पायल बरामद की गई है।

मेरठ

डीसीपी दक्षिणी अमित आनंद ने बताया कि कृष्णानगर इलाके में नवंबर 2025 से बीते मार्च माह के बीच टप्पेबाजी की तीन घटनाएं घटी थीं। इस मामले में कृष्णानगर पुलिस की एक टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया था।

पुलिस टीम ने घटनास्थल और उसके आसपास लगे 600 से 700 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया और वारदात को अंजाम देने वाले गैंग का पता लगाते हुए मंगलवार को डूडा कॉलोनी आशाराम बापू मार्ग मानसनगर से दुबग्गा सीतापुर बाईपास झुग्गी झोपड़ी निवासी शेषकला, उसके पति दयालाल, पूजा और गौरी देवी को गिरफ्तार किया। शेषकला, दयालाल और पूजा मूल रूप से नागपुर के रहने वाले हैं, जबकि आरोपी गौरी देवी

बिहार के आरा की निवासी है।

महिला दरोगा ने सादे कपड़े में एक हफ्ते तक रेकी की

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि इस गैंग का पकड़ने में कृष्णानगर थाने पर तैनात महिला दरोगा सिद्धि मिश्रा की सबसे अहम भूमिका रही। फुटेज मिलने के बाद उन्होंने सादे कपड़े में कई दिनों में घूम-घूम कर गैंग के बारे में पता किया।

इसके बाद उन्होंने गैंग के निवास स्थान की पूरी रेकी कर जानकारी जुटाई और फिर पुलिस ने इस गैंग पकड़ा। एसीपी ने बताया कि शेषकला इस गैंग की लीडर है और पहले से उनके खिलाफ बख्शी का ताला, मड़ियांव, हरदोई, नाका में चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

उल्टी करने के बहाने या पिन चुभोकर वारदात को देते थे अंजाम

एसीपी ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह लोग ऑटो, टेंपो और ई रिक्शा में सफर करने वाले ऐसे वृद्धों को शिकार बनाते थे जो जेवर पहने होते थे। चुभोकर उनको उलझा कर जेवर चोरी कर लेते थे। आरोपी नागपुर से ट्रेन से लखनऊ व अन्य शहरों में जाकर इलाज के नाम पर या फेरी लगाने के बहाने से भीड़भाड़ वाले इलाके में वारदात को अंजाम देते थे।

बार-बार पता बदले देते थे

आरोपी पूछताछ में पुलिस को इस बात का पता चला है कि पुलिस से बचने के लिए आरोपी न सिर्फ अपना ठिकाना बदलते थे, बल्कि आधार कार्ड पर भी पता बदलवा लेते थे। ऐसे में इनको ट्रेस करना पुलिस के लिए मुश्किल होता था।

आरोपी महिलाएं उसी वाहन में सवार तो जाते थे, जिसमें पीड़ित बैठते थे।

सफर के दौरान आरोपी महिलाएं उल्टी करने या पीड़ित को सेफ्टी पिन

नीतीश कुमार को इन 5 योजनाओं ने बनाया देश का 'सुशासन बाबू', महत्वपूर्ण नीतिगत सुधारों को केंद्र ने भी किया लागू

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल का दिन महत्वपूर्ण है। लगभग दो दशक तक प्रदेश की राजनीति के धुरी रहे नीतीश कुमार ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल को केवल राजनीतिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नीतिगत सुधारों के लिए भी याद किया जाता है। खास बात यह रही कि उन्होंने जो कई योजनाएं बिहार में शुरू कीं, वही बाद में पूरे देश के लिए मॉडल बन गईं।

सामाजिक कल्याण और महिला विकास से जुड़ी योजनाओं ने नीतीश की छवि 'सुशासन बाबू' के तौर पर बनाई। 2013 के बाद से कई बार

पाला बदलने के बावजूद नीतीश बिहार के एक बड़े वर्ग और खास तौर पर महिलाओं के लिए सबसे भरोसेमंद विकल्प रहे थे।

लोक कल्याण की योजनाओं से बनी पहचान, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का जिक्र हमेशा ही उनकी लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा। महिलाओं के लिए खाते में सीधे रकम ट्रांसफर करने से लेकर लड़कियों को 12वीं पास करने और ग्रेजुएशन पर मिलने वाली सहायता राशि जैसी योजनाओं ने जनता के बीच लोकप्रिय बनाया। खास तौर पर महिलाओं के लिए नीतीश एक विकल्प नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक बन गए।

फ्री साइकल योजना, सबसे पहले बात करते हैं छात्राओं के लिए शुरू की गई साइकिल योजना की। इस योजना के तहत लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिल दी गई, जिससे उनकी शिक्षा में बड़ी बढ़ोतरी हुई। बाद में कई अन्य राज्यों और केंद्र सरकार ने भी इस तरह की योजनाओं को अपनाया, जिससे बालिका शिक्षा को मजबूती मिली।

मिड-डे मील योजना देश भर में लागू

इसी तरह मिड-डे मील योजना को बिहार में प्रभावी ढंग से लागू किया गया। हालांकि इसकी शुरूआत पहले हो चुकी थी, लेकिन नीतीश कुमार ने इसे जमीन पर मजबूत किया। बाद में यह योजना पूरे देश में स्कूली बच्चों के पोषण सुधार का बड़ा माध्यम बनी।

जीविका मॉडल अपनाया कई और राज्यों ने, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई जीविका (स्वयं सहायता समूह) पहल भी एक बड़ा कदम था। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया। बाद में केंद्र सरकार ने भी स्वयं सहायता समूहों के मॉडल को बड़े स्तर पर अपनाया।

हर घर नल योजना, हर घर नल-जल योजना के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पानी पहुंचाने की पहल की गई। यह योजना बाद में केंद्र सरकार की 'जल जीवन मिशन' जैसी योजनाओं का आधार बनी, जिससे पूरे देश में पेयजल की पहुंच बढ़ी।

सामाजिक न्याय की दिशा में Nitish Kumar ने महादलित वर्ग की पहचान कर उनके उत्थान के लिए विशेष योजनाएं शुरू कीं। यह कदम समाज के सबसे पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

पंचायती चुनाव में महिलाओं को आरक्षण

इसके अलावा, पंचायती राज में महिलाओं को 50% आरक्षण देने का फैसला भी ऐतिहासिक रहा। बाद में कई राज्यों ने इसे अपनाया और महिला नेतृत्व को मजबूत किया। नीतीश कुमार का कार्यकाल केवल बिहार तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी नीतियों ने राष्ट्रीय स्तर पर असर डाला। यही वजह है कि उनके इस्तीफे के बाद भी उनकी नीतिगत विरासत चर्चा में बनी हुई है।

अदाणी ग्रीन ने ईएसजी रेटिंग में मारी बाजी, 87.3 स्कोर के साथ भारतीय कंपनियों में नंबर-1

(जीएनएस)।

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को केयरएज-ईएसजी 1+ रेटिंग मिली है। 87.3 के कुल स्कोर के साथ यह स्कोर भारत की कंपनियों में सबसे ज्यादा बताया जा रहा है। यह रेटिंग सेबी में पंजीकृत ईएसजी रेटिंग एजेंसी केयर ईएसजी रेटिंग्स लिमिटेड ने दी है।

इस स्कोर के साथ एजीईएल को पर्यावरण और जिम्मेदार कारोबार के मामले में अपनी इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनियों में गिना जा रहा है। मूल्यांकन में कंपनी की मजबूत गवर्नेंस, जलवायु से जुड़ी रणनीति, संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल, पारदर्शिता और बोर्ड स्तर की निगरानी को खास तौर पर अच्छा बताया गया है। कई पहलुओं की हुई जांच

केयरएज-ईएसजी की इस रेटिंग में पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और गवर्नेंस (ESG) से जुड़े जोखिम और अवसरों का आकलन किया गया। इसमें जलवायु जोखिम प्रबंधन, जल प्रबंधन, कचरा प्रबंधन, जैव विविधता

की सुरक्षा और मजबूत गवर्नेंस सिस्टम में कंपनी के काम की सराहना की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, एजीईएल पर्यावरण और सामाजिक जोखिमों को संभालने के लिए स्पष्ट नीतियों और प्रबंधन प्रणालियों के साथ काम कर रही है। कंपनी ने अपने पूरे संगठन में एरक्र सिद्धांतों को लागू किया है, जिससे इन मुद्दों को बेहतर तरीके से मैनेज किया जा रहा है।

अदाणी ग्रुप में भी बढ़ रहा एरक्र पर जोर

यह उपलब्धि अदाणी समूह में चल रहे बड़े बदलाव को भी दिखाती है। अब समूह के अलग-अलग कारोबार-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स और यूटिलिटी सेवाओं-में एरक्र सिद्धांतों को तेजी से अपनाया जा रहा है। इससे गवर्नेंस ढांचा, जोखिम प्रबंधन और लंबे समय के निवेश फैसलों पर सकारात्मक असर पड़ रहा है।

निवेशकों का भरोसा बढ़ने की उम्मीद

इस नई टॉप-लेवल रेटिंग से एजीईएल की छवि निवेशकों और कर्ज देने वाले संस्थानों के बीच और मजबूत हो सकती है। आज के समय में स्थिरता प्रदर्शन फंडिंग पाने में अहम भूमिका निभाता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

जेडी वेंस के अनुसार समझौता न होना अमेरिका से ज्यादा ईंरान के लिए बुरी खबर

जिसका डर था वही हुआ, अमेरिका-ईंरान के बीच शांति वार्ता विफल हो गई है। वार्ता बेनतीजा ही खत्म हो गई है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईंरान और अमेरिका के बीच पहले दो राउंड में 21 घंटे से ज्यादा शांति को लेकर बातचीत चली, लेकिन यह बेनतीजा रही। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना भी हो गए। वेंस जाने से पहले बोले- समझौता न होने के लिए बुरी खबर : वेंस ने एक प्रोस कांप्रोंस में बताया कि समझौता न होना अमेरिका से ज्यादा ईंरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका बिना किसी डील के ही लौट रहा है। किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईंरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। सीजफायर डील में अमेरिका की ओर से जेडी वेंस (उपराष्ट्रपति), स्टीव विटकॉफ (विशेष दूत), जेरेड वुशकर (सीनियर एडवाइजर और ट्रंप के दामाद) और ब्रैड वूपर (सैन्य अधिकारी शामिल हुए। ईंरान की तरफ से मोहम्मद बागेर गालिबाफ (संसद अध्यक्ष), अब्बास अराघची (विदेश मंत्री) और मजीद तख्त खांची (उप-विदेश मंत्री) शामिल हुए। वार्ता में पाकिस्तान की ओर से प्राधानमंत्री शहबाज शरीफ, सेना प्रामुख आसिम मुनीर, विदेश मंत्री इशाक डार व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आसिम मलिक शामिल हुए। ईंरान से 71 सदस्यीय डेलिगेशन पाकिस्तान पहुंचा। इस टीम में सिर्प बातचीत करने वाले लोग ही नहीं थे बल्कि एक्सपर्ट सलाहकार, मीडिया प्रातिनिधि, डिप्लोमेट और सुरक्षा से जुड़े अधिकारी भी शामिल थे। ईंरानी संसद के स्पीकर बागेर गलिबाफ जिस विमान से आए, वह बहुत खास था। वह पूरी दुनिया को अमेरिका का सितम दिखाने के लिए पाकिस्तान सुबूत लेकर आए थे। उनके साथ ऐसे यात्री भी आए जो इस दुनिया में अब नहीं हैं। दरअसल, इस विमान में बागेर गालिबाफ के साथ पाकिस्तान आने वाले दो बच्चे हैं। जो अमेरिकी-इजरायली हवाईं हमले में अपनी जान गंवा चुके हैं। प्लेन की सीटों पर उन नन्हें बच्चों की तस्वीर रखी हुईं थी। गालिबाफ ने वार्ता से पहले यह तस्वीर शेयर की जिसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी दिखाईं देती थी, जिसके साथ एक-एक स्वूल बैग और पूल भी रखा गया था। ईंरानी शहर मिनाब के स्वूल में 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्वूल पर हमला हुआ था। इसमें 168 लोगों की मौत हो गईं थी, जिसमें 160 स्वूली लड़कियां थीं। गालिबाफ ने वार्ता से पहले दिए बयान में कहा था कि उनका देश बातचीत और समझौते के लिए तैयार है। लेकिन इसके लिए अमेरिका को ईंमानदारी से समझौते की पेशकश करनी होगी और ईंरान के अधिकारों को स्वीकार करना होगा। उन्होंने साफ कहा कि ईंरान के पास सद्भावना है, लेकिन अमेरिका पर भरोसा नहीं। उधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वार्ता शुरू होने से पहले ही कहा कि वाशिगटन ईंरान को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर रोक लगाने की इजाजत नहीं देगा। ट्रंप ने आगे कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जल्द ही फिर से खुल जाएगा, चाहे ईंरान सहयोग करे या न करे। ट्रंप ने आगे कहा कि ईंरान के साथ किसी भी समझौते में उनका मुख्य ध्यान तेहरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर होगा। उन्होंने कहा, कोईं परमाणु हथियार नहीं। यही 99 प्रातिशत बात है। वार्ता तो पेल होनी ही थी। दोनों पक्षों की मांगों में बहुत बड़ा फासला था जिसे पाटना मुश्किल ही नहीं असंभव था।

बिहार के सम्राट' बनने तक की इनसाइड स्टोरी, राजनीतिक सफर से फैमिली बैकग्राउंड तक

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में 14 अप्रैल 2026 सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि एक नए दौर की शुरूआत मानी जा रही है। करीब दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के इस्तीफे के साथ सत्ता का समीकरण पूरी तरह बदलने की कगार पर है। इसी बदलाव के केंद्र में एक नाम सबसे तेजी से उभरकर सामने आया है सम्राट चौधरी। बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी होंगे। उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है।

दिलचस्प बात यह है कि आज जिस नेता को बीजेपी का सबसे भरोसेमंद चेहरा माना जा रहा है, वही कभी लालू प्रसाद यादव की राजनीति का हिस्सा हुआ करता था। जिसे कल तक 'लालू का सिपाही' कहा जाता था। यही सफर इस कहानी को और भी खास बनाता है। सूत्रों की मानें तो वे अब बिहार के नए मुख्यमंत्री बनने की दहलीज पर खड़े हैं। ऐसे में आइए जानते हैं सम्राट चौधरी के राजनीतिक सफर से लेकर फैमिली बैकग्राउंड के बारे में हर एक डिटेल।

लालू की पाठशाला से भाजपा के शीर्ष तक का सफर

सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। 16 नवंबर 1968 को मुंगेर के लखनपुर गांव में जन्मे सम्राट को राजनीति विरासत में मिली थी। उनके पिता शकुनी चौधरी बिहार की राजनीति के वो दिग्गज रहे हैं जिन्होंने समता पार्टी की नींव रखी, लेकिन वे कभी भाजपाई नहीं रहे। शकुनी चौधरी को लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार दोनों का बेहद करीबी माना जाता था। शकुनी चौधरी कईं बार विधायक और सांसद रह चुके हैं। उनकी मां पार्वती देवी भी विधायक रही हैं।

सम्राट ने अपनी सक्रिय राजनीति की शुरूआत 1990 के दशक में लालू यादव की छत्रछाया में की थी। 1999 में वे राबड़ी देवी की सरकार में कृषि मंत्री बने। उस वक्त उनकी उम्र को लेकर काफी विवाद भी हुआ था। लेकिन सम्राट का असली राजनीतिक उत्कर्ष तब शुरू हुआ जब उन्होंने 'समाजवाद' की ढाल छोड़कर भाजपा का 'भगवा' थाम लिया। 2018 में भाजपा में शामिल होने के बाद, उन्होंने

महज 8 साल के भीतर वो मुकाम हासिल कर लिया जिसे पाने में दशकों लग जाते हैं।

कईं दलों का सफर, लेकिन असली उछाल बीजेपी में

राजनीति में कईं दलों का अनुभव लेने के बाद सम्राट चौधरी ने 2017-18 के आसपास बीजेपी का दामन थामा। यहीं से उनके करियर ने तेज रफ्तार पकड़ी। बीजेपी में शामिल होने के बाद उनका कद लगातार बढ़ता गया। 2019 में उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया, 2020 में एमएलसी बने और 2022 में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी मिली।

2023 में उन्हें बिहार बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, यह वह मोड़ था, जहां से वे सीधे सत्ता के केंद्र में आ गए। 2024 में वे डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री बने और बाद में गृह मंत्रालय जैसे अहम विभाग की जिम्मेदारी भी उनके पास आ गईं।

मोदी-शाह के भरोसेमंद बनने का गुप्त फॉमूर्ला

सवाल उठता है कि जो नेता संघ (फ्रर) की पृष्ठभूमि से नहीं आता, वो प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का इतना चहेता कैसे बन गया? इसका जवाब उनके काम करने के 'आक्रामक अंदाज' और 'जातीय समीकरण' में छिपा है।

जब अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने भाजपा को धोखा देकर महागठबंधन का हाथ थामा था, तब भाजपा को एक ऐसे नेता की तलाश थी जो नीतीश की आंखों में आंखें डालकर बात कर सके। अमित शाह ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उन पर बड़ा दांव खेला। सम्राट ने भी हार नहीं मानी और संकल्प लिया कि जब तक नीतीश को कुर्सी से नहीं हटा देंगे, तब तक सिर पर 'मुरैठा' (पगड़ी) बांधे रखेंगे। उनकी यह जिद और फिर अयोध्या में राम मंदिर दर्शन के बाद उस संकल्प को पूरा करना, दिल्ली दरबार को भा गया। उन्होंने साबित कर दिया कि वे न केवल एक कुशल रणनीतक हैं, बल्कि जमीन पर कार्यकताओंं को एकजुट करने का दम भी रखते हैं।

बिहार में सत्ता का रास्ता जातियों से होकर गुजरता है। सम्राट चौधरी 'कोइरी' (कुशवाहा) जाति से आते हैं। 2023 की जातीय गणना के मुताबिक बिहार में कुशवाहा समाज की आबादी लगभग 4.2 प्रतिशत है। नीतीश कुमार का सबसे बड़ा पावर हाउस 'लव-कुश' (कुर्मी-कोइरी) समीकरण रहा है। भाजपा ने सम्राट को आगे करके नीतीश के इसी अभेद्य किले में सेंध लगा दी।

सम्राट को आगे रखने के पीछे भाजपा की सोची-समझी रणनीति है कि यादवों के बाद सबसे बड़े ओबीसी समूह यानी कुशवाहा समाज को अपने पाले में लाया जाए। सम्राट की छवि एक कड़क ओबीसी नेता की है, जो न केवल अपने समाज की बात करता है, बल्कि पूरे ओबीसी वर्ग को भाजपा के पक्ष में लामबंद करने की क्षमता रखता है।

गृह मंत्री के रूप में 'योगी मॉडल' की झलक

नवंबर 2025 में जब सम्राट चौधरी दोबारा डिप्टी सीएम बने और उन्हें 'गृह विभाग' की जिम्मेदारी मिली (जो पिछले 20 साल से नीतीश कुमार अपने पास रखते थे), तो बिहार की पुलिसिंग में बड़ा बदलाव दिखा। उन्होंने पद संभालते ही अपराधियों को साफ चेतावनी दी'या तो अपराध छोड़ो या बिहार'।

बेगूसराय के गैंगस्टर शिवदत्त राय पर हुई त्वरित कार्रवाई को बिहार के लोगों ने 'यूपी वाले योगी मॉडल' की शुरूआत माना। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'अभय ब्रिगेड' और 'पिंक पोलिसिंग' की शुरूआत की। साथ ही डायल 112 के रिस्पॉन्स टाइम को 10 मिनट से कम करने का निर्देश दिया। अवैध खनन और भू-माफियाओं के खिलाफ उनके 'बुलडोजर' वाले तेवर ने उन्हें भाजपा आलाकमान की नजरों में और भी ऊंचा उठा दिया।

घर-परिवार और शिक्षाः विवादों से लेकर उपलब्धियों तक

सम्राट का परिवार बिहार के सबसे रसूखदार राजनीतिक परिवारों में से एक है। पिता शकुनी चौधरी 7 बार विधायक और सांसद रहे हैं, तो माता पार्वती देवी भी तारापुर से विधायक रह चुकी हैं। सम्राट ने अपनी उच्च शिक्षा मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से प्राप्त की, हालांकि उनकी डिग्री को लेकर समय-समय पर विरोधियों ने सवाल भी उठाए।

उनका निजी जीवन अनुशासन और राजनीति के प्रति समर्पण से भरा है। 1995 में राजनीति के शुरूआती दौर में वे 89 दिनों के लिए जेल भी गए थे, जिसका जिक्र बिहार विधान परिषद की वेबसाइट पर भी है। यह उनके जुझारू व्यक्तित्व को दिखाता है कि वे जमीन से उठकर आज सत्ता के शीर्ष तक पहुंचे हैं।

(सम्राट चौधरी प्रोफाइल)

16 नवंबर 1968ः मुंगेर के लखनपुर गांव में जन्म। पिता शकुनी चौधरी और माता पार्वती देवी।

पारिवारिक पृष्ठभूमिः पिता 7 बार विधायक/सांसद रहे और माता भी तारापुर से विधायक रहीं।

शिक्षाः मुंगेर से शुरूआती पढ़ाई के बाद मदुरै कामराज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

राजनीतिक सफरः साल दर साल

1990ः सक्रिय राजनीति में कदम रखा।

1995ः राजनीतिक आंदोलन के दौरान 89 दिनों तक जेल में रहे।

19 मई 1999ः राबड़ी देवी सरकार में कृषि मंत्री के रूप में शपथ ली।

2000ः परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक चुने गए।

2010ः दूसरी बार विधायक बने और विधानसभा में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक नियुक्त हुए।

2014ः राजद (RJD) में टूट का नेतृत्व किया और जीतन राम मांझी सरकार में नगर विकास एवं आवास मंत्री बने।

2017ः औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल हुए।

2018ः बिहार भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए।

2020ः भाजपा कोटे से विधान परिषद (MLC) के सदस्य निर्वाचित हुए।

2021ः नीतीश कुमार की कैबिनेट में पंचायती राज मंत्री बनाए गए।

2022ः बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चुने गए।

मार्च 2023ः बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष (रइ्शी ढशीशींल्लइ) नियुक्त हुए।

जनवरी 2024ः भाजपा विधायक दल के नेता बने और पहली बार बिहार के उपमुख्यमंत्री (ऊस्र४३८ उट) के रूप में शपथ ली।

फरवरी 2024ः वित्त, स्वास्थ्य और नगर विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाला।

जुलाई 2024ः अयोध्या में सरयू स्नान के बाद अपनी 'प्रतिज्ञा की पगड़ी' उतारी।

25 जुलाई 2024ः भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल पूरा हुआ (दिलीप जायसवाल नए अध्यक्ष बने)।

नवंबर 2025ः बिहार विधानसभा चुनाव में तारापुर सीट से जीत दर्ज की और दोबारा उपमुख्यमंत्री बने।

दिसंबर 2025ः उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ बिहार के गृह मंत्री का प्रभार संभाला।

बिहार में 'सम्राट' युग की आहट

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार भाजपा के लिए एक नए अध्याय की शुरूआत है। यह इस बात का प्रतीक है कि भाजपा अब पिछलग्गू पार्टी बनकर नहीं रहना चाहती। सम्राट के पास प्रशासनिक अनुभव है, जातीय समर्थन है और सबसे बड़ी बात- उनके पास मोदी-शाह का भरोसा है। अब देखना यह होगा कि 'लालू के पूर्व सिपाही' और अब 'भाजपा के सेनापति' सम्राट चौधरी बिहार के विकास की गाड़ी को किस रफ्तार से आगे ले जाते हैं।

सम्राट चौधरी को लेकर अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQs)

1. सम्राट चौधरी की जाति क्या है?

सम्राट चौधरी कोइरी (कुशवाहा) जाति से संबंध रखते हैं, जो बिहार में एक प्रभावशाली ओबीसी वर्ग है।

2. सम्राट चौधरी के पिता कौन हैं?

उनके पिता शकुनी चौधरी हैं, जो बिहार के कद्दावर नेता, पूर्व सांसद और विधायक रह चुके हैं।

3. सम्राट चौधरी ने सिर पर पगड़ी क्यों बांधी थी?

उन्होंने संकल्प लिया था कि जब तक वे नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से नहीं हटा देंगे, तब तक पगड़ी नहीं उतारेंगे।

4. सम्राट चौधरी कब भाजपा में शामिल हुए?

वे साल 2018 में आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे।

'है जवानी तो इश्क होना है' का धमाकेदार टीजर रिलीज, वरुण धवन की कॉमेडी का लगा दमदार तड़का

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के एनर्जी से भरपूर स्टार वरुण धवन एक बार फिर अपने ट्रेडमार्क कॉमेडी-रोमांस अंदाज में दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। इस फिल्म का निर्देशन उनके पिता डेविड धवन ने किया है।

'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर रिलीज

करीब एक मिनट सात सेकंड के इस टीजर में मेकर्स ने अक तकनीक का दिलचस्प इस्तेमाल किया है, जिसने कहानी को लेकर दर्शकों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। फिल्म की पहली झलक से ही साफ है कि ये एक फुल एंटरटेनमेंट पैकेज होने वाली है।

लं खंद्ंल्ल ळ्ङ्क कॅ० लङ्कल्लं लं

दो बच्चों से शुरू होती है कहानी का ट्विस्ट

-टीजर की शुरूआत दो मासूम बच्चों की बातचीत से होती है, जो

धीरे-धीरे एक चौंकाने वाला खुलासा करते हैं। दोनों पहले अपनी-अपनी मां का नाम बताते हैं लेकिन जैसे ही पिता की बात आती है, दोनों का जवाब एक जैसा होता है। इतना ही नहीं, उनका जन्मदिन भी एक ही दिन निकलता है।

-इस खुलासे के बाद दोनों बच्चों को शक होता है कि कहीं उनके पिता एक ही तो नहीं हैं। इसी ट्विस्ट के साथ टीजर आगे बढ़ता है और कहानी में दिलचस्प मोड़ आता है। इसके बाद पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर के साथ वरुण धवन की केमिस्ट्री, रोमांस और मस्ती भरे सीन देखने को मिलते हैं।

फिल्म में पुराने दौर की कॉमेडी का तड़का

टीजर को देखकर साफ झलकता है कि फिल्म में वही पुराना बॉलीवुड मसाला मौजूद है- शरारत, धोखा, रोमांस, म्यूजिक और जबरदस्त कॉमेडी। ये फिल्म उसी स्टाइल की लग रही है, जिसके लिए डेविड धवन जाने जाते हैं। दर्शकों ने भी इस टीजर को देखकर अपने-अपने अंदाज में फिल्म की कहानी के कयास लगाने शुरू कर दिए हैं। कईं लोगों को इसमें 90 के दशक की फिल्मों की झलक नजर आ रही है।

सोशल मीडिया पर फैंस के मजेदार रिएक्शन

-फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फैंस के रिएक्शन की बाढ़ आ गई है। किसी ने इसे पूरी तरह एंटरटेनिंग बताया तो किसी ने कहा कि वरुण धवन के साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े, दोनों की जोड़ी शानदार लग रही है।

-वहीं कुछ यूजर्स ने बच्चों के किरदार पर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में इतना बड़ा राज पकड़ लिया, ये बच्चे तो कमाल के हैं।

'धुरंधर' के दोनों पाट्र्स ने मिलकर पार किया 3000 करोड़ रु. का आंकड़ा, तोड़ दिए कई रिकॉड्र्स, जानें कुल कमाई

(जीएनएस)।

बॉलीवुड के फेमस डायरेक्टर आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर 2ः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अपनी पकड़ बनाए हुए है। रिलीज के 26 दिन बाद भी फिल्म की कमाई थमने का नाम नहीं ले रही है। देशभक्ति और एक्शन से भरपूर इस कहानी ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है और यही वजह है कि ये फिल्म भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर में शानदार प्रदर्शन कर रही है।

फिल्म 'धुरंधर 2' की कहानी उन घटनाओं से प्रेरित बताई जा रही है, जिनमें भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया था। यही दमदार प्लॉट और हाई-वोल्टेज एक्शन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रहा है। हालांकि जहां एक तरफ फिल्म को भरपूर सराहना मिल रही है, वहीं कुछ लोग इसे प्रोपेगेंडा करार देकर आलोचना भी कर रहे हैं।

'धुरंधर 2' ने 26वें दिन की इतनी कमाई

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'धुरंधर 2' ने रिलीज के 26वें दिन भी शानदार प्रदर्शन करते हुए

करीब 5.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 1088.62 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है जबकि ग्रॉस कलेक्शन 1303.37 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है।

-विदेशों में भी फिल्म का जलवा कायम है, जहां ये 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। कुल मिलाकर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1700 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है, जो इसे साल की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करता है।

-'धुरंधर' के पहले और दूसरे पार्ट की कमाई ने एकसाथ मिलकर नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। रणवीर सिंह स्टारर इस फ्रेंचाइजी ने दुनियाभर में 3000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है।

-पहले पार्ट ने जहां करीब 1300 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शानदार प्रदर्शन किया था, वहीं 'धुरंधर' ने उसे भी पीछे छोड़ते हुए 1700 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है। इस तरह ये फ्रेंचाइजी भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई है।

'डकैतः एक प्रेम कथा' ने भी की अच्छी शुरूआत

इसी बीच अदिवी शेष की फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' भी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और 'धुरंधर 2' जैसी बड़ी फिल्म के सामने भी ठीक-ठाक प्रदर्शन कर रही है। निर्देशक शेनिल देव की इस फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में ग्लोबल स्तर पर करीब 40 करोड़ रुपये की कमाई की है। गत 10 अप्रैल 2026 को रिलीज हुई इस फिल्म का बजट लगभग 70 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

-सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' ने रिलीज के चौथे दिन यानी 13 अप्रैल 2026 (सोमवार) को करीब 2.70 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। अब तक फिल्म ने भारत में लगभग 22.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है जबकि विदेशों में ये करीब 12.25 करोड़ रुपये कमा चुकी है।

मोसाद के नए चीफ जिनके नाम पर मच गया इजरायल में बवाल?

(जीएनएस)।

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को जल्द ही नया प्रमुख मिलने जा रहा है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मेजर जनरल रोमन गोफमैन को मोसाद का अगला चीफ नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। गोफमैन 2 जून से मौजूदा प्रमुख ऊ्रि इं१ल्लीं की जगह लेंगे, जिनका पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

हालांकि यह नियुक्ति जितनी अहम मानी जा रही है, उतनी ही विवादों में भी घिर गई है। एक ओर जहां सरकार और सेना के शीर्ष नेतृत्व ने गोफमैन की जमकर सराहना की है, वहीं दूसरी ओर कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने इस फैसले पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

नेतन्याहू ने बांधे तारीफों के पुल

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गोफमैन की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उन्हें 'साहसी, रचनात्मक और असाधारण अधिकारी' बताया। उन्होंने कहा कि गोफमैन ने युद्ध के दौरान लीक से हटकर सोचने और कठिन परिस्थितियों में प्रभावशाली नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। नेतन्याहू ने भरोसा जताया कि उनकी अगुवाई में मोसाद इजरायल की सुरक्षा को और मजबूत करेगा। हालांकि, इस नियुक्ति का विरोध इजरायल के अंदर ही बड़े पैमाने पर हो रहा है।

इजराइली सेना इजरायल डिफेंस फोर्स (IDF) के चीफ ऑफ स्टाफ इयाल जमीर ने भी इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि गोफमैन का सैन्य करियर बेहद शानदार रहा है और वह इस पद के लिए पूरी तरह योग्य हैं। जमीर ने यहां तक कहा कि यदि उन्हें यह जिम्मेदारी नहीं मिलती, तो वे कऊ्र के शीर्ष पद के भी मजबूत दावेदार हो सकते थे।

नियुक्ति का भारी विरोध

इस नियुक्ति को लेकर विरोध के स्वर भी तेज हो गए हैं। मौजूदा मोसाद चीफ डेविड बार्निया ने गोफमैन की नियुक्ति पर आपत्ति जताते हुए उन पर शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। बार्निया का कहना है कि गोफमैन का व्यवहार इस महत्वपूर्ण पद के अनुरूप नहीं है। वरिष्ठ अधिकारी ओरी एलमाकायस ने भी इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने इस नियुक्ति को "खतरनाक" बताते हुए

इसे रद्द कराने तक की बात कही है। एलमाकायस का मानना है कि गोफमैन की नियुक्ति इजराइल की सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकती है।

मोसाद के प्रमुख पदों की नियुक्ति पर रहती है दुनिया की नजर

मोसाद जैसे संवेदनशील और रणनीतिक संगठन के प्रमुख की नियुक्ति हमेशा बेहद अहम होती है, क्योंकि यह एजेंसी वैश्विक स्तर पर खुफिया ऑपरेशंस और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में इस पद पर किसी भी विवादास्पद नियुक्ति का असर देश की सुरक्षा नीतियों पर पड़ सकता है। अब सभी की निगाहें 2 जून पर टिकी हैं, जब रोमन गोफमैन आधिकारिक रूप से मोसाद की कमान संभालेंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि वह अपने विरोधियों की चिंताओं को कैसे संबोधित करते हैं और एजेंसी को किस दिशा में आगे ले जाते हैं।

कौन हैं बिजेंद्र प्रसाद यादव? जो बन सकते हैं बिहार के नए डिप्टी सीएम

(जीएनएस)।

: बिहार की राजनीति इस वक्त एक बड़े ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे और उनके राज्यसभा जाने के फैसले के बाद सूबे में नई सरकार के गठन की कवायद युद्ध स्तर पर शुरू हो गई है।

जहां मुख्यमंत्री की रेस में सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे चल रहा है, वहीं सत्ता के गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा सुपौल के कद्दावर नेता और 'कोसी के चाणक्य' कहे जाने वाले बिजेंद्र प्रसाद यादव की है।

चर्चा है कि नई सरकार में बिजेंद्र प्रसाद यादव को डिप्टी सीएम (उप-मुख्यमंत्री) की जिम्मेदारी दी जा सकती है। 79 वर्षीय यादव का नाम सामने आते ही कोसी और मिथिलांचल की राजनीति में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

बिजेंद्र प्रसाद यादव बिहार की राजनीति के उन विरले चेहरों में से हैं, जिनकी साख पक्ष और विपक्ष दोनों में समान रूप से मजबूत है। साल 1990 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे बिजेंद्र यादव ने पिछले साढ़े तीन दशकों में खुद को एक विकासवादी और जनहितैषी नेता के रूप में स्थापित किया है। उनकी प्रशासनिक पकड़ और जटिल राजनीतिक स्थितियों को सुलझाने की क्षमता उन्हें इस पद का सबसे योग्य दावेदार बनाती है।

कोसी क्षेत्र के लोग उन्हें प्यार से 'कोसी के विश्वकर्मा' कहते हैं। इसके पीछे उनकी वो दूरदर्शिता है जिसने बाढ़ और पिछड़ेपन की मार झेलने वाले कोसी और मिथिलांचल की तस्वीर बदल दी। ऊर्जा मंत्री के रूप में बिजेंद्र यादव का कार्यकाल बिहार के इतिहास में 'स्वर्ण युग' माना जाता है। बिजली संकट से जूझते बिहार को 24 घंटे बिजली की दहलीज तक पहुंचाने का श्रेय उन्हीं को जाता है।

सुपौल, सहरसा और मधेपुरा जैसे जिलों में ग्रिड का जाल बिछाना और नए पावर सब-स्टेशनों की स्थापना उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में शुमार है। उन्होंने न केवल कोसी को अंधेरे से निकाला, बल्कि कोसी और मिथिलांचल को जोड़ने के लिए सड़कों और रेल मार्गों का कायाकल्प भी किया। सुपौल-मधेपुरा और सहरसा के बीच सड़कों का चौड़ीकरण और पुलों का निर्माण उनके कार्यकाल की पहचान बनी।

कोसी नदी पर बुने पुलों के जाल

कोसी नदी, जिसे कभी 'बिहार का शोक' कहा जाता था, उस पर पुलों और एप्रोच रोड का निर्माण करवाकर बिजेंद्र यादव ने दोनों किनारों के बीच की दूरी को कम किया। इन परियोजनाओं ने क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों के लिए नए बाजार खोले और आर्थिक विकास को एक नई गति दी।

लखनऊ में अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर बवाल, हवाई फायरिंग, एसयूवी तोड़ी; तीन लोग घायल

लखनऊ, (जीएनएस)। लखनऊ के बंथरा इलाके में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला मारपीट, पथराव और हवाई फायरिंग तक पहुंचा, जिसमें तीन लोग घायल हुए। पुलिस ने पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की और क्षेत्र में बल तैनात किया।

बंथरा के शिवपुरा अंबेडकरनगर इलाके में बौद्ध प्रार्थना से पहले ही प्रतिमा पर माल्यार्पण करने को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, हंगामा और पथराव हुआ। इस दौरान कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग भी की।

नाराज लोगों ने पंचायत प्रतिनिधि की एसयूवी भी तोड़ दी। गांव में हुए इस संघर्ष से अफरा-तफरी मच गई। दोनों पक्षों से तीन लोगों को चोट भी लगी। भारी पुलिस बल के पहुंचने पर स्थिति को काबू में किया गया। तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ बंथरा पुलिस से लिखित शिकायत भी की है।

अंबेडकर नगर में हर बार की तरह इस बार भी अंबेडकर मूर्ति स्थल के पास अंबेडकर जयंती पर कार्यक्रम होना था। वहां के रहने वाले करन गौतम, विशाल गौतम और अमरेंद्र चौधरी कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहे थे। इस बीच सुबह दस बजे चार लग्जरी गाड़ियों से बंथरा नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रंजीत रावत अपने

समर्थकों के साथ वहां पहुंचे। उस वक्त अंबेडकर स्थल का गेट बंद था।

आरोप है कि उन लोगों ने गेट खोला और अंदर पहुंच गए और माल्यार्पण करने की बात कहने लगे। वहां मौजूद अमरेंद्र चौधरी, विशाल गौतम और करन गौतम ने बुद्ध वंदना के बाद माल्यार्पण किए जाने की बात कही तो चेयरमैन प्रतिनिधि और उनके समर्थक समय न होने की बात कही।

रंजीत पक्ष का कहना है कि उन लोगों ने प्रतिमा का माल्यार्पण किया है वहां से जाने लगे। लोगों ने बौद्ध प्रार्थना की बात कही तो उन लोग उनकी माल को हटाकर प्रार्थना करने की बात कही। बस इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

आधे घंटे तक चला बवाल

कुछ ही देर में कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व अंबेडकर नगर के ही रहने वाले अभिषेक प्रियदर्शी वहां पहुंचे और बिना बुद्ध वंदना के माल्यार्पण किया देख नाराज हो गए। विवाद इतना बढ़ गई कि दोनों पक्षों में लाठी-डंडा, ईंट और सरिया के साथ ही पथराव शुरू हो गया। इस बवाल में कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग भी की।

बवाल की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा और किसी तरह मामले को शांत कराया। पुलिस को घटनास्थल से .32 बोर के दो कारतूस मिले, जिसे कब्जे में ले लिया है। इस दौरान दोनों पक्षों से तीन लोगों करन गौतम, विशाल गौतम और आकाश को चोट लगी। पुलिस ने तीनों का सीएचसी सरोजनीनगर में मेडिकल कराया।

दोनों पक्ष से कुछ लोग हिरासत में

इस पूरे मामले में एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि माल्यार्पण को लेकर दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों से तहरीर मिली है। दोनों तरफ से कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है। गांव में स्थिति सामान्य है। घटना कुछ के बाद प्रस्तावित कार्यक्रम भी सकुशल पूरा हुआ।

यूपी में पहली बार होगा पोल्ट्री कॉन्क्लेव:लखनऊ में 15-16 अप्रैल को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जुटेंगे देशभर के एक्सपर्ट

लखनऊ , (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में पहली बार पोल्ट्री सेक्टर को लेकर बड़े स्तर पर कॉन्क्लेव आयोजित किया जा रहा है। 15 और 16 अप्रैल को राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले इस कॉन्क्लेव का उद्घाटन प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह करेंगे।

किसानों और इंडस्ट्री को जोड़ने की पहल

इस कॉन्क्लेव का आयोजन उदय सिंह करेंगे। उदय तेलंगाना पोल्ट्री इंडिया से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में पहली बार पोल्ट्री सेक्टर का इतना बड़ा आयोजन हो रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मंच के जरिए किसानों को जागरूक किया जाएगा और अलग-अलग स्टेशनों के माध्यम से उन्हें उत्पादन बढ़ाने की तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। देशभर के बड़े एक्सपर्ट इसमें शामिल होंगे, जिससे पोल्ट्री सेक्टर में नए अवसर पैदा होंगे।

राष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विस्तार की तैयारी

उदय सिंह ने जानकारी दी कि

इसी महीने 25 से 27 अप्रैल तक तेलंगाना में एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें करीब 120 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि लखनऊ में होने वाला यह कॉन्क्लेव उत्तर प्रदेश में पोल्ट्री सेक्टर को नई दिशा देगा और बड़े बदलाव का आधार बनेगा।

उत्पादन और खपत में बड़ा अंतर, सरकार की नजर

पशुधन विभाग के डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एनबी सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार पहली बार इस तरह का कॉन्क्लेव करा रही है, जिसका मकसद किसानों की आय बढ़ाना है। उनके मुताबिक

यूपी में रोजाना करीब 3.5 करोड़ अंडों की खपत होती है। जबकि उत्पादन सिर्फ 2 करोड़ अंडों का ही हो पाता है। यानी करीब 1.5 करोड़ अंडे बाहर से मंगाने पड़ते हैं।

नई पॉलिसी और सब्सिडी से बढ़ेगा पोल्ट्री सेक्टर

एनबी सिंह ने बाताया की 2013 में पहली बार पोल्ट्री पॉलिसी लागू हुई थी। 2022 में इसमें सुधार कर नई पॉलिसी लाई गई। अब सरकार न्यूनतम 7% सब्सिडी, फ्री बिजली और अन्य सुविधाएं दे रही है।

सरकार का लक्ष्य है कि इस कॉन्क्लेव के जरिए पोल्ट्री इंडस्ट्री को मजबूत किया जाए और उत्पादन बढ़ाकर मांग-आपूर्ति के अंतर को खत्म किया जा सके।

'लखनऊ वाले' पर चंद्रशेखर का हमला, यूपी की राजनीति में छिड़ी नई बहस

(जीएनएस)।

लखनऊ में सम्मेलन के दौरान चंद्रशेखर आजाद ने 'लखनऊ वाले' पर बिना नाम लिए तीखा हमला बोला, जिससे सियासी हलचल तेज हो गई और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गईं।

सियासी मंच से बिना नाम लिए तीखे तंज, बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

राजधानी लखनऊ के अटल बिहारी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पिछड़ा वर्ग अधिकार सम्मेलन में उस समय राजनीतिक माहौल गरमा गया, जब आजाद समाज पार्टी के प्रमुख

चंद्रशेखर आजाद ने बिना नाम लिए 'लखनऊ वाले' पर तीखा हमला बोला। उनके इस बयान ने सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ दी है कि आखिर यह 'लखनऊ वाला' कौन है, जिस पर इतने गंभीर आरोप लगाए गए।

सम्मेलन के दौरान चंद्रशेखर आजाद ने भाजपा, सपा और कांग्रेस- तीनों प्रमुख दलों पर निशाना साधा, लेकिन उनके भाषण का केंद्र एक ऐसे नेता पर रहा, जिसका नाम उन्होंने सीधे तौर पर नहीं लिया। उन्होंने बार-बार 'लखनऊ वाले' शब्द का प्रयोग करते हुए कई आरोप लगाए, जिससे राजनीतिक विश्लेषकों और उपस्थित लोगों के बीच उत्सुकता और चर्चा बढ़ गई।

नाजा मार्केट में 35 व्यापारियों से 50 लाख की ठगी:राजस्थानी ठगों ने लगाया चूना, फर्जी आधार-पैन पर फर्म रजिस्टर कराई थी

(जीएनएस)।

लखनऊ के हजरतगंज स्थित नाजा मार्केट में कंप्यूटर पार्ट्स के कारोबारियों के साथ ठगी का मामला सामने आया है। व्यापारियों का आरोप है कि आइकॉन कंप्यूटर्स नाम से दुकान खोलकर दो युवकों ने करीब 50 लाख रुपए का माल उधार लेकर फरार हो गए। पीड़ितों ने हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

नाजा मार्केट के कारोबारी उपकार सिंह, हर्ष बंसल, सुभाष चंद्र समेत अन्य व्यापारियों ने बताया कि नवंबर 2025 में नाजा मार्केट स्थित ग्राफिक्स बिल्डिंग भोपाल हाउस लालबाग में आइकॉन कंप्यूटर्स नाम से दुकान खोली गई थी। दुकान संचालक कोटा राजस्थान निवासी कानाराम मानाराम चौधरी और धीरज खेमराम चौधरी थे। उन्होंने व्यापारियों से संपर्क किया और कंप्यूटर पार्ट्स का कारोबार शुरू किया।

नगद-उधार माल लेना शुरू किया

व्यापारियों का कहना है कि शुरूआत में दोनों आरोपियों ने नगद और उधार दोनों तरीकों से माल लेना शुरू किया। धीरे-धीरे भरोसा जीतकर उन्होंने बड़ी मात्रा में सामान उधार ले लिया। करीब 50 लाख रुपए का माल लेने के बाद दोनों आरोपी दुकान बंद कर फरार हो गए।

आधार-पैन कार्ड फर्जी होने की आशंका

पीड़ितों का कहना है कि आइकॉन कंप्यूटर्स नाम से एक फर्म भी रजिस्टर्ड कराई गई थी। जिसका पता 12 यूजीएफ, एफआई ग्राफिक्स, भोपाल हाउस, त्रिलोकनाथ रोड, हजरतगंज, लखनऊ दर्ज है। व्यापारियों को दिए गए आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेजों पर भी अब संदेह जताया जा रहा है कि वे फर्जी हो सकते हैं।

पुलिस कर रही मामले की जांच

इस गिरोह के झांसे में आकर करीब 35 व्यापारी ठगी का शिकार हुए हैं। आरोपियों के साथ 5-10 अन्य अज्ञात लोग भी शामिल बताए जा रहे हैं। पीड़ित व्यापारियों ने हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामले में इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह का कहना है कि मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म जमा करने की तिथि 16 अप्रैल तक बढ़ाई

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में नामांकित छात्रों को अपने संबंधित कॉलेजों में आवश्यक शुल्क के साथ अपने ऑनलाइन फॉर्म जमा करने होंगे। एलयू की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर विजिट कर सकते हैं।

(जीएनएस)।

लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) ने जून 2026 में आयोजित होने वाले सम सेमेस्टर की सुधार और छूट प्राप्त परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 16 अप्रैल तक बढ़ा दी है। स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के छात्र (द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को छोड़कर) आधिकारिक वेबसाइट lkouniv.ac.in पर जाकर परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं।

नियमित छात्रों को परीक्षा फॉर्म के साथ अलग से कोई शुल्क नहीं देना होगा। विश्वविद्यालय ने बताया कि विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भरना होगा और सेमेस्टर शुल्क रसीद के साथ संबंधित विभागाध्यक्ष या डीन के कार्यालय में जमा करना होगा।

विश्वविद्यालय ने कहा कि, 'कॉलेजों को सभी परीक्षा फॉर्म आधिकारिक लॉगिन पोर्टल के माध्यम से भेजने होंगे और परीक्षा शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। उन्हें 18 अप्रैल, 2026 तक अंतिम सूची और शुल्क रसीदें विश्वविद्यालय को जमा करना भी सुनिश्चित करना होगा।'

आधिकारिक नोटिस में कहा गया कि, 'नियमित, बैक पेपर, सुधार और छूट प्राप्त परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों सहित स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और अन्य कार्यक्रमों में नामांकित छात्रों के लिए समय सीमा बढ़ा दी गई है।

सूची के अनुसार परीक्षा शुल्क जमा करें।'

एलयू द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, 'डीन/ विभागाध्यक्ष कार्यालय द्वारा जमा किए गए परीक्षा प्रपत्रों को ऑनलाइन अग्रेषित करना अनिवार्य के साथ अपने ऑनलाइन फॉर्म जमा करने होंगे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बताया कि जिन छात्रों को फॉर्म भरने में समस्या आ रही है, वे हेल्पलाइन नंबर 7897999211, 7897992064;

व्हाट्सएप नंबर 7897992062; लैंडलाइन नंबर 0522-4150500 या ईमेल आईडी 'u.support@otpl.co.in के माध्यम से विश्वविद्यालय से संपर्क कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए एलयू की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in विजिट कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय ने आगे कहा, 'सभी संबद्ध कॉलेजों के प्रधानाचार्यों से अनुरोध है कि वे परीक्षा विभाग द्वारा दिए गए लॉगिन के माध्यम से परीक्षा फॉर्म भेजें और लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रणाली के अनुसार ऑनलाइन भरे गए परीक्षा फॉर्मों की होगा। साथ ही, संबंधित सूची 18 अप्रैल, 2026 तक लखनऊ विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग में जमा कराना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।'

लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में नामांकित छात्रों को अपने संबंधित कॉलेजों में आवश्यक शुल्क

चीन के आगे झुकी बालेन शाह के नेतृत्व वाली नेपाल की नेपाली गृह मंत्री के बयान ने उड़ा दी भारत की नींद

(जीएनएस)।

नेपाल में बालेन शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार के आते ही चीन ने एक बार फिर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। हाल ही में चीनी राजदूत और नेपाल के गृहमंत्री सुधान गुरुंग की मुलाकात ने भारत के रणनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। नेपाल ने स्पष्ट तौर पर 'एक चीन नीति' का समर्थन किया है और वादा किया है कि नेपाली धरती का उपयोग चीन के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा।

यह स्थिति भारत के लिए एक बड़े झटके के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि नेपाल अपनी पुरानी 'तटस्थ' छवि को छोड़कर फिर से चीन के प्रभाव में झुकता नजर आ रहा है।

चीनी राजदूत और गृहमंत्री की अहम बैठक

नेपाल के गृहमंत्री सुधान गुरुंग और चीनी राजदूत झांग माओमिंग के बीच हुई बैठक काफी महत्वपूर्ण रही। गृहमंत्री ने भरोसा दिलाया कि नेपाल अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा और किसी भी देश (विशेषकर भारत या अमेरिका) को अपनी जमीन से चीन विरोधी गतिविधियों की अनुमति नहीं देगा। यह बयान सीधे तौर पर तिब्बती शरणार्थियों और सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है। भारत के लिए यह इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि सीमावर्ती सुरक्षा के मामले में नेपाल हमेशा से भारत का एक भरोसेमंद साझेदार रहा है।

रेलवे और व्यापार पर चीन से मदद की गुहार

नेपाल सरकार ने चीन से अटके हुए प्रोजेक्ट्स को जल्द पूरा करने की अपील की है। इसमें सबसे प्रमुख 'नेपाल-चीन रेलवे प्रोजेक्ट' है, जिसे

बहू ने रोटी में जहर खिलाकर सास की हत्या की:पति को भी मारने की प्लानिंग थी, इराक से लखनऊ लौटे भांजे से अफेयर था

(जीएनएस)।

लखनऊ में 65 साल की शांति देवी हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस ने बताया कि बहू शालिनी (26) ने सास की रोटी में जहर मिला दिया था। इससे उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। 24 घंटे में उनकी जान चली गई थी। बेटे के शक के आधार पर बहू पर सख्ती की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया।

शालिनी ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया कि उसका सगे भांजे करन (20) से अफेयर था। सास को यह बात पसंद नहीं थी। वह दोनों को मिलने और बात करने से रोकती थी। इस वजह से 10 दिन पहले भी सास की जान लेने की कोशिश की थी। चाय में कीटनाशक मिलाया था लेकिन सास ने पूरी चाय नहीं पी थी।

इसके बाद 5 अप्रैल को उसने आटे में कीटनाशक मिलाकर रोटी बनाई। उसने बताया कि घर के सामने ही नाबालिग चचेरे भांजे का घर है। वह करन का दोस्त है। उससे कीटनाशक मंगवाया करती थी। उसने कबूलनामे में यह भी बताया कि करन ने कहा था कि पहले नानी को मारो, नाना को मारो, फिर मामा को। उसके बाद हम साथ रहेंगे।

पुलिस ने सोमवार को आरोपी शालिनी को जेल भेज दिया। बहरहाल, करन अपनी नानी शांति देवी की मौत के बाद से ही फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शांति देवी की डेडबॉडी को कब्र से निकलवाकर विसरा लिया है।

मामला काकोरी थाना क्षेत्र के इब्राहिमगंज गांव का है। इस रिपोर्ट में पढ़िए भांजे से अकेले में मिलने की बात क्या मामा को नहीं पता थी? पता थी तो रोकने के लिए उसने क्या किया? और मामी-भांजे की लवस्टोरी कैसे शुरू हुई॥

शांति देवी की मौत के बाद इब्राहिमगंज स्थित घर पर लोगों की भीड़ जुटी थी। (फाइल फोटो)

शांति देवी की मौत के बाद इब्राहिमगंज स्थित घर पर लोगों की भीड़ जुटी थी। (फाइल फोटो)

पहले पढ़िए मामी-भांजे की लवस्टोरी और हत्या की साजिश की कहानी

मृतक शांति के बेटे मनोज रावत (28) की शालिनी से 4 साल पहले शादी हुई। शादी के एक साल बाद दोनों को बेटा हुआ। सब अच्छा चल रहा था। मनोज का एक भांजा करन इराक में नौकरी करता है। वह इसी साल जनवरी में इराक से लौट आया। जब ननिहाल पहुंचा तो उसका मामी शालिनी से अट्रैक्शन हो गया।

दोनों मिलने लगे। फोन पर बातें करने लगे। करन बार-बार ननिहाल आने लगा। उस समय तो रिश्तेदार होने की वजह से किसी को अफेयर की शंका नहीं हुई। इस बीच मनोज ने शालिनी को फोन पर बात करते पकड़ लिया। मनोज ने उसका फोन तोड़ दिया। इस दौरान चचेरे भांजे ने करन का साथ दिया।

मनोज के न होने पर करन उसी के फोन पर कॉल करता तो वह मामी शालिनी के पास बात कराने पहुंच जाता। यह बात सास शांति देवी को अखरने लगी। वह अड़ंगा लगाने लगी। इसी वजह से शालिनी ने सास को मार डाला।

यह तस्वीर सास को जहर देकर मारने की आरोपी बहू शालिनी की है। यह पुलिस हिरासत में है। पुलिस इसके प्रेमी भांजे को तलाश रही है।

यह तस्वीर सास को जहर देकर मारने की आरोपी बहू शालिनी की है। यह पुलिस हिरासत में है। पुलिस इसके प्रेमी भांजे को तलाश रही है।

अब पढ़िए आरोपी के पति की आपबीती-

डेढ़ रोटी खाते ही बिगड़ी मां की तबीयत मनोज ने बताया- 5 अप्रैल को मां शांति देवी ने बताया कि रोटी कुछ कड़वी लग रही थी। डेढ़ रोटी खाने के बाद जी मिचलाने लगा। उल्टी होने लगी। मैं भागकर उल्टी की दवा लेकर आया। दवा देने के बाद भी उल्टी नहीं रुकी। बहन के कहने पर जुनाबगंज डॉक्टर के पास ले गए। वहां डॉक्टर ने भर्ती कर लिया।

उन्होंने बताया- मां को इंजेक्शन लगाया। दर्द थोड़ा कम हुआ तो मां सो गईं। कुछ देर बाद अचानक से फिर तबियत बिगड़ गई। डॉक्टर ने तुरंत गाड़ी मंगाई और मां को प्रसाद अस्पताल भेजा, जहां 6 अप्रैल को मां की मौत हो गई। इसके बाद उनके शव को लाकर घर के पास दफना दिया गया।

मनोज रावत ने बताया- पत्नी उस रोटी के बार में 3 दिन से हर बार अलग बात बताती थी।

पत्नी हर बार अलग बात बता रही थी

मनोज ने बताया- मां को दफनाने बाद 7 अप्रैल की रात में घर में बातचीत होने लगी। शालिनी से मां को दी गई रोटी के बारे में पूछा गया। उसने बताया कि मां से बची हुई रोटी बाहर रखी है। मैं बाहर रोटी देखने गया। बाहर रोटी नहीं मिली तो शक हुआ। 8 अप्रैल को एक पन्नी में लपेटी हुई रोटी घर के अंदर रखे मौरंग में मिली। उसके बारे में पूछने पर पत्नी गुमराह करने लगी।

मैंने उससे कहा कि कब्र खोदवाकर पोस्टमॉर्टम कराऊंगा, वर्ना सच बताओ क्या हुआ है? इस पर पत्नी ने कहा कि वह कुछ नहीं जानती है। शव का पोस्टमॉर्टम करवा लो। इसके बाद गांव के लोगों को पंचायत बुलाई गई। वहां पर बातचीत हो रही थी तभी चचेरा भांजा आकर बोला कि शालिनी मामी ने दो बार रुपए देकर कीटनाशक दवा मंगवाई थी।